

Indian Stamp
(Bihar Amend
ment) Act, 1991



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

4 अगस्त 1913 (श०)

[सं० पटना 548]

पटना, सोमवार, 25 नवम्बर 1991

विधि विभाग

अधिसूचनाएं

22 नवम्बर 1991

सं० एल० जी० 1-32/91-लं०-402-बिहार विधान-मंडल का निम्नलिखित प्रतिनियम जिसपर राष्ट्रपति 4 नवम्बर, 1991 को अनुमति दे चुके हैं, इसके द्वारा सर्वसाधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किया जाता है :-

[बिहार अधिनियम—8, 1991]

भारतीय स्टाम्प (बिहार संशोधन) अधिनियम 1991

बिहार राज्य में लागू होने के लिए भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 का संशोधन करने के लिये अधिनियम ।

भारत गणराज्य के बदालीसवें वर्ष में बिहार राज्य विधान मण्डल द्वारा निम्न-लिखित रूप से यह अधिनियमित हो—

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार एवं प्रारम्भ।—(1) यह अधिनियम भारतीय स्टाम्प (बिहार संशोधन) अधिनियम, 1991 कहा जा सकेगा ।

(2) यह सम्पूर्ण बिहार राज्य में लागू होगा ।

(3) यह उस तिथि से प्रभावी होगा जो राज्य सरकार बिहार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा नियत करे ।

2. अधिनियम 2, 1899 की धारा 10 के बाद नई धारा का अन्तःस्थापन ।— भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (अधिनियम 2, 1899) (इसके पश्चात उक्त अधिनियम के रूप में निर्दिष्ट) की धारा 10 के बाद निम्नलिखित नई धारा अन्तःस्थापित की जायगी, यथा—

“10-क. शुल्क का नकद भुगतान—(1) स्टाम्प शुल्क के सम्बन्ध में धारा 10 के अन्तर्गत उपबन्ध के होते हुए भी, जहां समाहर्ता सन्तुष्ट हों कि जिला में स्टाम्प का अभाव है या वांछित मूल्य का स्टाम्प उपलब्ध नहीं है, वह नकद रूप में शुल्क के भुगतान की अनुमति दे सकते हैं और यथास्थिति कोषागार अथवा उप-कोषागार पदाधिकारी को साक्ष्य के रूप में कोषागार अथवा उप-कोषागार में जमा का चालान प्रस्तुत करने पर लिखत अथवा लिखितो पर नकद रूप में वांछित राशि का शुल्क जमा का पृष्ठांकन करने के लिए प्राधिकृत कर सकते हैं ।

(2) उप-धारा (1) के अन्तर्गत किसी लिखित पर किये गये पृष्ठांकन का वही प्रभाव होगा जैसा कि पृष्ठांकन में उल्लिखित मूल्य के समतुल्य राशि के लिखित पर स्टाम्प के रूप में धारा-10 की आवश्यकताओं के अनुसार भुगतान की गई शुल्क का है ।”

3. अधिनियम 2, 1899 की धारा 47-क में संशोधन।—(1) उक्त अधिनियम में बिहार अधिनियम, 15, 1988 द्वारा अन्तःस्थापित धारा 47-क में शब्द "लिखित में सही रूप में नहीं दर्ज किया गया है" के बाद शब्द "या इस अधिनियम के तहत बनाये गये नियमों के अनुसार निर्धारित न्यूनतम मूल्य से भी कम हो" अन्तःस्थापित किया जायेगा।

(2) उक्त अधिनियम में बिहार अधिनियम 15, 1988 द्वारा अन्तःस्थापित धारा 47-क में शब्द "निबन्धन के बाद" शब्द "स्वीकार करते समय" अन्तःस्थापित किया जायेगा।

4. अधिनियम 2, 1899 की धारा 75 में संशोधन।—उक्त अधिनियम की धारा 75 में शब्दों "किसी भी परिस्थिति में पांच सौ से अधिक नहीं" के स्थान पर शब्दों "न्यूनतम पांच सौ रु० या जितने शुल्क का अपवर्जन किया गया है, जो अधिक हो" प्रतिस्थापित किया जायेगा।

5. अधिनियम 2, 1899 की अनुसूची 1-अ में प्रतिस्थापन।—उक्त अधिनियम में बिहार स्टाम्प (संशोधन) अधिनियम, 1937 (बिहार अधिनियम 6, 1937) द्वारा संशोधित अनुसूची—1-अ में— (1) कम संख्या 15 के स्तम्भ-1 में प्रयुक्त 1,000 रु० से अधिक होने पर हरेक 500 रु० या उसके भाग के लिए" एवं स्तम्भ-2 में प्रयुक्त "क्रमशः चार रु० पच्चीस पैसे", 1½ एवं 2 प्रतिशत, के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जायेंगी:—

लिखत का वर्णन	समुचित स्टाम्प शुल्क
हर 500 रु० या उसके भाग के लिए जहाँ वह 1,000 रु० से अधिक हो किन्तु 5,000 रु० से अधिक न हो;	12 रु०
जहाँ वह 5,000 रु० से अधिक हो किन्तु 50,000 रु० से अधिक न हो, और जहाँ वह 50,000 रु० से अधिक हो।	लिखत मूल्य का 2.5 प्रतिशत लिखत मूल्य का 3 प्रतिशत।

(2) कम संख्या 23 के स्तम्भ 1 में प्रयुक्त "1,000 रु० से अधिक होने पर हरेक 500 रु० या उसके भाग के लिए" स्तम्भ 2 में प्रयुक्त "क्रमशः चार रु० पचास

बैंड, 2½ एवं 3½ प्रतिशत" प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां
अन्तःस्थापित की जावें—

लिखत का दर्जन

संयुक्त स्टाम्प शुल्क

इसे 500 रु० का उसके भाग के लिये
जहाँ यह 1,000 रु० से अधिक
किन्तु 5,000 रु० से अधिक न हो;

25 रु०

+ 110% अधिकार

जहाँ यह 5,000 रु० से अधिक किन्तु
50,000 रु० से अधिक न हो;

लिखत के मूल्य का 5 प्रतिशत

+ 110% अधिकार

जहाँ यह 50,000 रु० से अधिक हो,

लिखत के मूल्य का 7 प्रतिशत।

रामचन्द्र प्रसाद,
सरकार के संयुक्त सचिव।

22 नवम्बर 1991

सं. एल० जी० 1-32/91-लेज०-403-बिहार विधान-मंडल द्वारा यथापरिचित और राष्ट्रपति द्वारा 4 नवम्बर 1991 को अनुमत भारतीय स्टाम्प (बिहार संशोधन) अधिनियम, 1991 (बिहार अधिनियम 8, 1991) का निम्नलिखित अंग्रेजी अनुवाद बिहार-राज्यपाल के प्राधिकार से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जिसमें भारतीय संविधान के अनुच्छेद 348 के खंड (3) के अधीन दत्त अधिनियम का अंग्रेजी भाषा में प्राधिकृत पाठ समझा जायगा।

[Bihar Act—8, 1991]

THE INDIAN STAMP (BIHAR AMENDMENT) ACT, 1991.

AN

ACT.

TO AMEND THE INDIAN STAMP ACT, 1899 IN ITS APPLICATION TO
THE STATE OF BIHAR

BE, it enacted by the Legislature of the State of Bihar in the
forty second year of the Republic of India as follows.—

1. *Short title, extent and commencement.*—(1) This Act
may be called the Indian Stamp (Bihar Amendment) Act, 1991.

(2) It extends to the whole of the State of Bihar.

(3) It shall come into force on such date as the State Govern-
ment may, by notification in the Bihar Gazette, appoint.

2. *Insertion of new section after section 10 of Act 2, 1899.*—
After section 10 of the Indian Stamp Act, 1899 (Act 2, 1899)
(hereinafter referred to as the said Act) the following new section
shall be inserted, namely:—

10-A. *Payment of duty in cash.*—(1) Notwithstanding
anything contained in section 10, where the Collec-
tor is satisfied that there is temporary shortage of
stamp in the district or that stamps of required
denomination are not available, he may permit duty
to be paid in cash and authorise the Treasury or
Sub-Treasury Officer, as the case may be on produc-
tion of challan in evidence of payment of duty in
the Government Treasury or Sub-Treasury to
certify by endorsement on the instruments the
amount of duty so paid in cash.

(2) An endorsement made on any instrument under sub-section (1) shall have the same effect as if the duty of an amount equal to the amount stated in the endorsement has been paid in respect thereof and such payment has been indicated on such instrument by means of Stamp in accordance with the requirement of section 10."

3. *Amendment in section 47 A of Act II of 1899.*—(1) In section 47A of the said Act as inserted by Bihar Act 15, 1988 after the words "Set forth in the instrument" the words "or is less than even the minimum value determined in accordance with any rules made under this Act" shall be inserted.

(2) In section 47A of the said Act as inserted by Bihar Act, 15, 1988 the words "after registering" shall be substituted by the words "at the time of admitting".

4. *Amendment in section 75 of Act II of 1899.*—In section 75 of this said Act the word "in no case exceed five hundred rupees" shall be inserted by "be minimum five hundred rupees or equivalent to the amount of duty evaded whichever is more".

5. *Substitution in Schedule IA of Act II of 1899.*—In Schedule IA of the said Act as amended by Bihar Stamp (Amendment) Act, 1937 (Bihar Act VI of 1937)—

(1) in serial No. 15, the entries "and for every Rs. 500 or part thereof in excess of Rs. 1,000" appearing in column 1 and "four rupees twenty five paise, 1½ per cent and 2 per cent respectively" appearing in column 2, the following entries shall be inserted namely,—

Column 1	Column 2
For every Rs. 500 or part thereof where it exceeds Rs. 1,000 and does not exceed Rs. 5,000.	Rs. 12.00 + 110% Surcharge
Where it exceeds Rs. 5,000 but does not exceed Rs. 50,000; and	Rs. 2.5 per cent of the value of the instrument. + 110% Surcharge
Where it exceeds Rs. 50,000	3 per cent of the value of the instrument. + 110% Surcharge

- (2) In serial number 23, for the entries "and for every Rs. 500 or part thereof in excess of Rs. 1,000" appearing in column 1 and "eight rupees fifty paise, 2½ per cent and 3½ per cent" appearing in column 2, the following entries shall be inserted, namely:—

Column 1	Column 2
For every Rs. 500 or part thereof where it exceeds Rs. 1,000 and does not exceed Rs. 5,000.	Rs. 25.00 +110% surcharge
Where it exceeds Rs. 5,000 but does not exceed Rs. 50,000; and	5 per cent of the value of the instrument. +110% surcharge
Where it exceeds Rs. 50,000	7 per cent of the value of the instruments. +110% surcharge

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
रामचन्द्र प्रसाद,
सरकार के संयुक्त सचिव ।

अधीक्षक राजकीय लेखन सामग्री भंडार एवं प्रकाशन, पटना द्वारा प्रकाशित तथा
अधीक्षक, सचिवालय मद्रासपाल, बिहार, पटना द्वारा मुद्रित ।

बिहार राजपट, (असाधारण), 548—दाइनी—780—890—पी० के० वनर्जी